



# भारत का राजापत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 164]

No. 164)

नई विल्सी, शुक्रवार, अप्रैल 20, 1990/चैत्र 30, 1912

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 20, 1990/CHAITRA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विस मंत्रालय

(उत्पाद-शुल्क विभाग)

प्रधिकृत

नई विल्सी, 20 अप्रैल, 1990

सं. 17/90—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन. ए.)

सा. का. नि. 454 (ग्र) :—केन्द्रीय भरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए निम्ननियत नियम जारी है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संकीर्ण नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (वीथा संशोधन) नियम, 1990 है।

2. (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीष को प्रवृत्त होंग।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियमप 191 वां के पश्चात् निम्ननियत नियम अनुस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"191 वां. वह उत्पाद-शुल्क माल जिसका विनियम या प्रदारण के स्थान से शुल्क के संदाय के बिना हटाया जाना अनुमति नहीं दिया जाएगा :—

(1) केन्द्रीय भरकार, सभव-समव पर, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, ऐसा उत्पाद-शुल्क य माल विनियिष्ट कर सकती जिसे उसके विनियोग या भागारण के स्थान से हटाए जाने की अनुज्ञा शुल्क के संदाय के बिना, कल्पटर द्वारा, यदि ऐसे माल का प्रयोग उक्त अधिसूचना में विनियिष्ट ऐसी वस्तुओं के विनियोग के लिए, जिनका एक या अधिक नियति भावेवां के निष्पादन में नियति किया जाना है अथवा ऐसे भावेवां के निष्पादन के लिए नियति उक्त वस्तुओं के विनियोग में प्रयुक्त शाष्ट्र संबंध उत्पाद-शुल्क य माल का पुनः पूर्ति के लिए या दोनों के लिए किया जाता है तो, ऐसी भावों और परिस्थितियों के अधीन रहने द्वारा दी जा भकेवी जो ऐसी अधिसूचना में विनियिष्ट की जाएँ।

(2) उपनियम (1) में विनियिष्ट भावों और परिस्थितियों से संबंधित होंगी :—

(क) उत्पाद-शुल्क य माल के विनियोगिताओं का वां और नियति की वस्तुओं के विनियोग ;

(ख) नियति की वस्तुओं के विनियोग के दौरान उत्पाद उपोत्पाद, अभियंत्र, बच्चों के और विनियोग प्रक्रिया के भ्रंत में जेप रह गए उत्पाद-शुल्क य माल के प्रधिष्ठेष के, यदि कोई हो निष्पादन की प्रवृत्ति हो ;

- (ग) शुल्क-भूक्त उत्पाद-शूल्क भाल की माला जो नियंत्रित की प्रतिक वस्तु के प्रति यूनिट जलवात के लिए अनुशासत की जा सकेगी,
- (घ) नियंत्रित के लिए निकासांग की वह वस्तुओं के विनियम में प्रयुक्त शुल्क संदर्भ उत्पाद-शूल्क भाल की पुतः पूति और पुत द्वारा नियंत्रित भाग्यग्रामों के उपयोग की रीत;
- (ङ) अधिसूचना में विनियिष्ट शर्तों और परिसीमाओं के सम्बन्ध अनुपालन के लिए ऐसी प्रतिभूति या प्रानम् सहित, जिसका बलबटर द्वारा विनियम किया जाए, बंधपत्र का नियन्त्रण और
- (च) कोई अन्य वार्ता जिसे केंद्रीय सरकार विनियिष्ट करता आवश्यक समझे।

(3) जहाँ किसी उत्पाद-शूल्क भाल के संबंध में उपनियम (1) के अधीन अधिसूचना निकाली जाती है वहाँ ऐसी माल का सामनी बलबटर की अनुका से ऐसे माल को शुल्क के संदर्भ के बिना विनियमित या भांडारकरण के स्थान से हटा सकेगा।

(4) बलबटर, विनियोग आंकड़ा द्वारा और ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के प्रधीन रहने हुए जो वह विनियिष्ट करे, वस्तुओं के विनियमित का इस नियम के अधीन विनियमित वस्तुओं को कतिपय विनियमित-प्रक्रियाएँ पूरा करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति के परिसर को हटाने की ओर ऐसी वस्तुओं को शुल्क के संदर्भ के बिना कतिपय विनियमित प्रक्रियाएँ पूरा करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति के परिसर को हटाने की ऐसी विनियमित को अनुका देने की ओर ऐसी वस्तुओं को अपने कारबाहन में बापस लाने की या ऐसी वस्तुओं को ऐसे अन्य व्यक्ति के, जिसको ऐसी वस्तुएँ भेजी गई हैं, परितर से विनियमित द्वारा इस नियम के अधीन नियंत्रित के लिए हटाए जाने की अनुशासत करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

(5) जहाँ स्वामी या उभका अधिकारी इस नियम को या उपनियम (1) के अधीन तिकाली गई अधिसूचना में विनियिष्ट किसी शर्त का भंग करता दबात ऐसे सभी उत्पाद-शूल्क भाल और वस्तुओं का जिनका बाबत ऐसा भंग किया गया है, अधिकृण किया जा सकेगा और स्वामी, अपास्थिति, ऐसे उत्पाद-शूल्क भाल या वस्तुओं के, जिनका बाबत ऐसा भंग किया गया है या दोनों के मूल्य के तीन गुने से अधिक शार्सित का दायी होगा।”

[फा. सं. 209/57/89-सी. ण. 6]

एच.के. मित्तल, अधर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 20th April, 1990

### NOTIFICATION

NO. 17/90-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 454(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government

hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (4th Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944, after rule 191B, the following rule shall be inserted, namely :—

“191BB.—Excisable goods whose removal from the place of manufacture or storage may be permitted without payment of duty.

(1) The Central Government may, from time to time, by notification in the Official Gazette, specify excisable goods, whose removal may be permitted by the Collector without payment of duty from the place of their manufacture or storage, if such goods are supplied for the manufacture of articles specified in the said notification to be exported in execution of one or more export orders or for replenishment of duty paid excisable goods used in the manufacture of the said articles already exported for the execution of such orders, or both, subject to such conditions and limitations, as may be specified in the said notification.

(2) The conditions and limitations referred to in sub-rule (1) may relate to the following matters,—

(a) the class of manufacturers of excisable goods and manufacturers of articles for export;

(b) the method of disposal of bye-products, waste, and refuse, arising in the course of manufacture of articles for export and of surplus excisable goods, if any, remaining at the end of the manufacturing process;

(c) the quantity of duty free excisable goods that may be permitted for per unit production of each article for export;

(d) replenishment of duty paid excisable goods used in the manufacture of articles cleared for export and the manner of utilisation of the replenished materials;

(e) execution of bond with such security or surety as may be decided by the Collector for due observance of the conditions and limitations specified in the notification; and

(f) any other condition as the Central Government may consider it necessary to specify.

(3) Where a notification is issued under sub-rule (1) in relation to any excisable goods, the owner of such goods may, with the permission of the Collector remove such goods from the place of manufacture or storage without payment of duty.

(4) The Collector may, by special order and subject to such conditions and limitations as may be specified by him, permit the manufacturer of articles to remove the articles manufactured under this rule to the premises of another person for completion of certain manufacturing process and to bring back such articles to his factory without payment of duty or to permit such manufacturer to remove, without payment of duty such articles to the premises of another

person for completion of certain manufacturing process and bring back such articles to his factory or allow the articles to be removed by the manufacturer for export under this rule from the premises of such other person to whom such articles have been sent.

(5) Where the owner or his agent commits a breach of this rule or of any condition specified in the notification issued under sub-rule (1), then all such excisable goods and the articles in respect of which such breach has been committed shall be liable to confiscation and the owner shall be liable to a penalty not exceeding three times the value of such excisable goods or, as the case may be, the articles in respect of which such breach has been committed, or both."

[F. No. 209/57/89-CX.6]  
H. K. MITTAL, Under Secy.

